रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 298] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 20, 2008/श्रावण 29, 1930
No. 298] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 20, 2008/SRAVANA 29, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 2008

सं. 67 (आर.ई.-2008)/2004—2009

फा. सं. 01/36/218/26/एएम 09/पी सी-5/ईपीसीजी-1.—विदेश व्यापार नीति, 2004–2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार, एतद्द्वारा, प्रक्रिया पुस्तक, खण्ड-1 (आर ई-2008) में, निम्नलिखित संशोधन करते हैं :

1. सार्वजनिक सूचना सं. 26 (आर ई-2008)/2004—2009 दिनांक 3 जून, 2008 द्वारा पैराग्राफ 5.11.3 के बाद जोड़े गए पैराग्राफ को संशोधित कर निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :—

"जब किसी उत्पाद के निर्यात पर रोक/प्रतिबंध लगाया जाता है, तो ऐसे निर्यात उत्पादों पर रोक/प्रतिबंध लगाने से पूर्व पहले से जारी ई पी सी जी प्राधिकार पत्रों के संबंध में निर्यात दायित्व की अवधि बिना किसी संयोजन शुल्क के रोक/प्रतिबंध की अवधि के बराबर स्वत: ही बढ़ जाएगी और निर्यातक को रोक/प्रतिबंध की अवधि के लिए औसत निर्यात दायित्व को भी पूरा करने की आवश्यकता नहीं होगी।"

2. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार
एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 20th August, 2008

No. 67 (RE-2008)/2004—2009

F. No. 01/36/218/26/AM 09/Pol. V/EPCG-I.—In exercise of powers conferred under paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in Handbook of Procedures, Vol. I (RE-2008):

1. The following paragraph added after paragraph 5.11.3 *vide* Public Notice No. 26 (RE-2008)/2004—2009 dated 3rd June, 2008 stands amended to read as under :—

"Whenever a ban/restriction is imposed on export of any product, export obligation period in respect of EPCG authorizations already issued prior to imposition of ban/restriction of such export products, would stand automatically extended for a period equivalent to the duration of ban/restriction, without any composition fee and exporter would not be required to fulfill average E.O. as well, for the ban/restriction period".

2. This issues in public interest.

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade
& ex-officio Addl. Secy.

3156 GI/2008

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.